Daily Gospel Reflections in Hindi

30 August 2019

मत्ति 10 : 16 - 25

Suffering for the sake of Christ

हर कार्य के पीछे उसका अपना जोखिम होता है, लेकिन जितना बड़ा जोखिम उसका लाभ भी उतना ही बड़ा होता है। आज के सुसमाचार में प्रभु येसु ईश राज्य के कार्य में लगे हुए लोगों को उसमें आने वाले जोखिम से आगाह करते हैं। प्रभु बताते हैं कि जो प्रभु के कार्य में लगे हैं उन्हें स्वर्ग राज्य में स्थान पाने के लिए अपना जीवन भी खोना पड़ेगा। प्रभु द्वारा यह सब बताने के बाद भी जब विश्वासियों को कष्टों का सामना करना पड़ता है तो वे प्रभु के वचन को भूल जाते और विपत्तियों से दूर भागने का प्रयत्न करते हैं। ऐसें में प्रभु का यह वादा कि "जो अंत तक धीर बना रहेगा उसे मुक्ति मिलेगी।" हमारी आशा होनी चाहिए।

कार्ल मार्कस ने कहा था कि धर्म इंसान के लिए अफीम के नशें के समान है। उन का मानना था कि धर्म के नेता लोगों को विज्ञान, आधुनिकता, वर्तमान के विकास से दूर रखने के लिए करते हैं। विश्वास, भरोसा, धैर्य, त्याग आदि के बारे में बात करने को व्यर्थ मानते हैं। धर्म के लिए त्याग करने को पिछड़ापन, अंधविश्वास आदि मानते है। ऐंसे में प्रभु का वचन स्पष्ट करता है कि कोई भी विकास, विज्ञान, और आधुनिकता प्रभु की योजना से परे नहीं हो सकते और उन की शक्ति के बाहर से बाहर नही। हम सभी कष्टों को प्रभु के योजनानुसार अपनाये और ईश्वर से धैर्य से प्रभु का फल पायें।

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019